

# मेट्रो सीएमआरएस के अगले हफ्ते आने की संभावना निगमायुक्त ने किया गैर मार्ग का निरीक्षण

रामनवमी से मालवीय नगर चौराहे तक चलाने की तैयारी



नव भारत न्यूज  
इंदौर. मेट्रो रेल के चीफ कमिश्नर अगले हफ्ते इंदौर में दूसरे चरण की 11.5 किलोमीटर लंबी लाइन का निरीक्षण की संभावना है. सीएमआरएस निरीक्षण के बाद ही अगले चरण में मेट्रो के व्यवसायिक संचालन की अनुमति जारी होगी. अनुमति मिलने के बाद मेट्रो रेल का 17 किलोमीटर लंबी लाइन पर संचालन शुरू हो जाएगा.

शहर में मेट्रो रेल के 17 किलोमीटर लंबे प्राथमिक कॉरिडोर पर व्यवसायिक संचालन इस महीने के अंत तक शुरू होने के संभावना बढ़ गई है. इसका कारण यह है कि मेट्रो रेल के

मालवीय नगर तक पूरा हो चुका है. स्थानीय मेट्रो ने सभी 11 स्टेशन और अन्य कार्य पूरा कर दिया है. उक्त नए 11.5 किलोमीटर पर व्यवसायिक रन शुरू करने की पूरी तैयारी कर ली है. दिल्ली से सुपर कॉरिडोर 03 से मालवीय नगर चौराहे तक तकनीकी और सिविल दोनों कार्यों का निरीक्षण करने सीएमआरएस का दल आया. सिविल में मेट्रो ट्रेक, एलिवेटेड

मार्च अंत तक चलना संभावित

ऐसी संभावना है कि सीएमआरएस के निरीक्षण करने के बाद गांधीनगर से मालवीय नगर चौराहे तक मेट्रो दोड़ना शुरू हो जाएगी. पूर्व निर्धारित लक्ष्य के तहत मार्च अंत तक या रामनवमी पर 11.5 किलोमीटर नए ट्रेक पर मेट्रो चलना संभावित है.

कॉरिडोर और स्टेशन निर्माण कार्य की जांच की जाएगी. वहीं तकनीकी कार्य में ऑटोमेटिक इंटी एग्जिट, इलेक्ट्रिक कार्य, कंप्यूटर ऑपरेशन, एस्केलेटर, लिफ्ट सहित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया जाएगा.

खतरनाक मकानों को चिन्हित करने, सड़कों का पैचवर्क करने के निर्देश दिए

नव भारत न्यूज  
इंदौर. आज सुबह निगम आयुक्त ने रंगपंचमी पर निकलने वाली गैरों को लेकर मुख्य सड़कों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को जर्जर मकानों पर सुरक्षा, सड़कों पर पैचवर्क, केबल वायर हटाने और गैर के बाद विशेष सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए.

आयुक्त क्षितिज सिंघल आज सुबह 7 बजे टोरी कॉर्नर, गौराकुंड चौराहा से गैर मार्ग का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान आयुक्त



सिंघल ने गैर में शामिल होने वाले वाहनों की संभावित संख्या, मार्ग की वर्तमान स्थिति तथा मार्ग में आने वाले जर्जर एवं खतरनाक भवनों को चिन्हित कर कार्यवाई के निर्देश दिए. जर्जर भवनों पर सुरक्षा

व्यवस्था, चेतावनी एवं सूचना बोर्ड लगाए जाएं.

आयुक्त ने पूरे गैर मार्ग पर विशेष सफाई व्यवस्था और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था रखने आदेश दिए. साथ ही सुरक्षा के लिए

मंदिरों, इमारतों को तिरपाल से ढंके

आयुक्त ने गैर मार्ग की मुख्य सड़क पर मरम्मत कार्य करने और राजवाड़ा, गोपाल मंदिर एवं अन्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक/धार्मिक इमारतों की सुरक्षा हेतु तिरपाल से ढंके का भी अधिकारियों से कहा है. शहर में गैर खलल होने के बाद सभी गैर मार्गों तथा बाजारों में विशेष सफाई व्यवस्था की जानकारी लेते हुए तुरंत सफाई करने के आदेश दिए. निरीक्षण के दौरान सभी आर.एस.के. क्षेत्र के झोनल अधिकारी, भवन अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सभी प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा नियंत्रण कक्ष से निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश अधिकारियों को दिए.

एक नजर में

हिंदी जी5 ने जब खुली किताब का ट्रेलर रिलीज किया

इंदौर. हिंदी जी5 ने आज अपनी आने वाली फिल्म जब खुली किताब का ट्रेलर रिलीज किया. जो दर्शकों को पर्दे पर बड़ी उम्र के प्यार की दिल को छूने वाली, मजेदार और ताजगी भरी कहानी की झलक दिखाता है. सोनभ खुला की लिखी और उनके निर्देशन में बनी इस फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया की शानदार जोड़ी नजर आने वाली है. इस फिल्म में शादी के पचास साल बाद पति-पत्नी के जज्बाती उलझनों को बड़ी बारीकी से दिखाया गया है, और यह शादी एक लंबे अरसे से दबी हुई सच्चाई के सामने आने पर टूट जाती है. फिल्म के ट्रेलर में हमें गोपाल (पंकज कपूर) और अनुसूया (डिंपल कपाड़िया) की खामोशी भरी और जानी-पहचानी दुनिया की झलक दिखाई देती है, जो बीते 50 सालों से एक-दूसरे की रोजाना की आदतों, यादों और बिना कहे समझ लेने वाले रिश्ते से जुड़े है. जब खुली किताब थोड़ी हंसी और दिल के दर्द की बेमिसाल जुगलबंदी है, जिसमें बड़ी उम्र के प्यार और उस फिर से शुरू करने की हिम्मत को बिल्कुल अनोखे और संजीदा तरीके से दिखाता है. फिल्म का प्रीमियर 6 मार्च को सिर्फ जी5 पर होगा.

ओबेन इलेक्ट्रिक का गुड़ी पड़वा पर स्पेशल ऑफर

इंदौर. ओबेन इलेक्ट्रिक ने गुड़ी पड़वा के खास मौके पर अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक बाइक रॉय ईजी सिम्मा पर स्पेशल फेस्टिवल ऑफर शुरू किया है. यह ऑफर केवल मार्च महीने के अंत तक ही उपलब्ध रहेगा. कंपनी चाहती है कि लोग नए साल की शुरुआत एक आधुनिक, तेज रफतार और पर्यावरण के लिए सुरक्षित वाहन के साथ करें. इस योजना के जरिए कंपनी कस्टमर्स को बेहतर तकनीक के साथ सस्ती कीमत का फायदा देना चाहती है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग पेट्रोल की जगह इलेक्ट्रिक वाहन अपनाएं और प्रदूषण कम करने में योगदान दें. इस त्योहार ऑफर के तहत कस्टमर्स को कुल 37,00,000 रुपए तक का फायदा मिल सकता है. अब रॉय ईजी सिम्मा को शुरुआती कीमत 1,09,999 रुपए रखी गई है, जो इसे अपने सेगमेंट में एक किफायती और मजबूत विकल्प बनाती है. कंपनी कस्टमर्स को 5 साल या 60,000 किलोमीटर तक की मुफ्त एक्सटेंडेड वारंटी भी दे रही है, जिससे उन्हें लंबे समय तक किसी बड़ी मरम्मत की चिंता नहीं रहेगी. कंपनी ने अपने शोरूम और सर्विस सेंटर की संख्या भी लगातार बढ़ाई है.

प्रो. आनंद राष्ट्रीय अध्यक्ष, अग्रवाल उपाध्यक्ष

इंदौर. समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के दिल्ली में सम्पन्न हुए शिबिर के पश्चात समाजवादी समागम ने अपनी संगठनात्मक शक्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रो. आनंद कुमार को समाजवादी समागम का राष्ट्रीय अध्यक्ष और इंदौर के सपा नेता रामबाबू अग्रवाल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है. संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अनिल ठाकुर ने बताया कि इस बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी में असम से अभिनव बोरबोरा, उत्तराखंड से जसपाल दुग्गल, कर्नाटक से अली बाबा, केरल से रेजिनकर, महाराष्ट्र से संजय मंगला गोपाल तथा ओडिशा से प्रफुल्ल सामंतारा जैसे युवाओं को जोड़ा गया है. हैदराबाद के पूर्व न्यायाधीश गोपाल जी. एवं इंदौर के सपा नेता रामबाबू अग्रवाल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने से दक्षिण भारत और मध्य भारत में समाजवादी समागम के विस्तार को नई दिशा और मजबूती प्राप्त होगी. इसी तरह चन्द्रशेखर जी. जन्म शताब्दी से जुड़े प्रो. राजुमार जैन को संयोजक नियुक्त किया गया है. अपने कार्यक्रमां के माध्यम से संगठन के विस्तार, विचार प्रसार और नेतृत्व निर्माण की नई संभावनाएं नजर आ रही हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामबाबू अग्रवाल ने इंदौर लौटकर कहा कि अब नए साथियों को जोड़कर नई ऊर्जा भर उसाह के साथ समाजवादी विचार प्रवाह और उसके प्रभाव को तबसे समय तक सुरक्षित रखने में हम सबकी भूमिका सुनिश्चित होगी।

सैमसंग ने लॉन्च की एआई फोन सीरीज - गैलेक्सी एस26

इंदौर. सैमसंग ने घोषणा की है कि उसकी बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी एस26 सीरीज आज से भारत में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है. गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस26+ और गैलेक्सी एस 26 अब तक का सबसे आसान और नेचुरल एजेंटिक एआई मोबाइल अनुभव देते हैं. चाहे बात प्लानिंग की हो, जानकारी खोजने की या फिर कंटेंट को कैप्चर और एडिट करने की - गैलेक्सी एस26 सीरीज हर काम को इतना आसान बना देती है कि यूजर को तकनीकी की बारीकियों के बजाय सिर्फ बेहतरीन नतीजों पर ध्यान देना होता है. सैमसंग साउथवैस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, गैलेक्सी एस26 सीरीज को इस तरह बनाया गया है कि यह लोगों की जीवनशैली और काम करने के तरीके को गहराई से समझ सके. यह एजेंटिक एआई के साथ सैमसंग की एक नई दिशा को दर्शाता है, जो रोजमर्रा के छोटे-मोटे कामों को खुद संभाल लेती है ताकि आप उन चीजों पर समय बिता सकें जो वास्तव में मायने रखती हैं - जैसे परिवार के साथ वक्त बिताना, अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ाना और लाइफ के हर पल का मजा लेना. इसके विकास में हमारे बंगलुरु और नोएडा के रिसर्च सेंटर्स के इंजीनियर्स ने अहम भूमिका निभाई है. गैलेक्सी एस26 सीरीज का निर्माण हमारी नोएडा स्थित फैक्ट्री में किया जाएगा।

सैमसंग ने लॉन्च किया कॉम्पैक्ट 60 वाट पावर अडेप्टर

इंदौर. सैमसंग ने अपने नए 60वॉट पावर अडेप्टर की उपलब्धता की घोषणा की है. यह अडेप्टर बिजली की बर्बादी और चार्जिंग के झंझट को कम करते हुए कई तरह के डिवाइस को तेजी से चार्ज करता है. चाहे आप स्मार्टफोन, लैपटॉप या इयरबड्स चार्ज कर रहे हों, यह घर पर या यात्रा के दौरान रोजमर्रा की चार्जिंग जरूरतों के लिए एक अधिक ऊर्जा-कुशल समाधान है. यह कॉम्पैक्ट चार्जर अगली पीढ़ी की गैलियम नाइट्राइड तकनीक पर आधारित है, जिसने भारी-भरकम सिलिकॉन चार्जिंग की जगह ले ली है. इससे चार्जिंग का आकार छोटा रहता है, लेकिन पावर एफिशिएंसी (कार्यक्षमता) ज्यादा मिलती है. इस अडेप्टर को सुरक्षित और ठंडा रहने के लिए डिजाइन किया गया है, जो ऑपरेशन के दौरान ऊर्जा के नुकसान को घटाता है और ओवरहीटिंग के जोखिम को कम करता है. सामान्य अडेप्टर की तुलना में यह उपादा की उम्र बढ़ाने में भी मदद करता है. नया अडेप्टर केवल 0.005वाट की कम स्टैंडबाय पावर का उपयोग करता है। इसका मतलब है कि जब चार्जर प्लग में लगा हो और डिवाइस चार्ज न हो रहा हो, तब भी बिजली की बर्बादी न के बराबर होती है. इससे यूजर के व्यवहार में बदलाव किए बिना ही ऊर्जा की बचत होती है.

## किसानों ने दी 12 मार्च से दूध सप्लाई बंद करने की चेतावनी

दुग्ध उत्पादक किसानों ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत  
इंदौर. दुग्ध उत्पादक किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को इंदौर सहकारी दुग्ध संघ कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा. किसान नेता व इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष मोतीसिंह पटेल के नेतृत्व में किसानों ने विजयनगर एसीपी पराग सेनी, दुग्ध महासंघ के प्रतिनिधि अजय शाह और दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बलबीर शर्मा को ज्ञापन सौंपा.

किसानों ने मांग की कि दुग्ध समितियों में दूध क्रय दर वृद्धि को पूर्व सूची के अनुसार लागू किया जाए तथा 11 मार्च से दूध का क्रय भाव 9 रुपये प्रति फ्रैट किया जाए. इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा घोषित 5 रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि 1 अप्रैल से देने और वर्ष 2019से 22 तक के बोनस और लाभांश का तत्काल भुगतान करने की मांग भी रखी गई. ज्ञापन में पशुआहार की गुणवत्ता सुधारने और बड़ी हुई कीमत वापस लेने, आउटसोर्स



सीईओ बोले - दर पहले से लागू, कोई कटौती नहीं

इस मामले में दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बलबीर शर्मा ने कहा कि दूध के नए क्रय दर पहले से ही प्रभावशील हैं और इनमें किसी प्रकार की कटौती नहीं की गई है. उन्होंने बताया कि प्रोत्साहन राशि बढ़ाई गई है और नई दरें 1 मार्च से लागू हैं. उन्होंने कहा कि इंदौर दुग्ध संघ वर्तमान में प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों को सबसे अधिक दर दे रहा है. अन्य मांगों पर संघ की वित्तीय स्थिति को देखते हुए उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा. टैरिफ व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि दूध की जांच अलग-अलग स्तरों पर की जाती है और पाददर्शिता बनाए रखने के लिए दुग्ध संघ द्वारा कंसंट्रेंटिंग की व्यवस्था भी की गई है, ताकि दुग्ध उत्पादकों को सही मूल्य मिल सके. इंदौर दुग्ध संघ संवैद दुग्ध उत्पादक किसानों के हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध रहा है एवं हमेशा रहेगा. किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर आज सकारात्मक संवाद हुआ है और अधिकांश विषयों पर स्थिति स्पष्ट कर दी गई है. संघ प्रबंधन सभी वैधानिक मांगों के निराकरण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है.

कर्मचारियों को समय पर वेतन देने तथा वर्ष 2019 में महिला एवं बाल विद्यालयों को दिए गए दूध चूर्ण के 29 करोड़ रुपये ब्याज सहित वापस दिलाने की मांग भी शामिल है. किसानों ने दूध टैरिफ में पारदर्शिता, सहकारी समितियों के चुनाव, लॉबि चिकित्सा प्रकरणों के भुगतान और मेटेनेंस शुल्क कम करने की भी मांग की. किसान नेता मोतीसिंह पटेल ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो 12 मार्च से इंदौर दुग्ध संघ को दूध की सप्लाई बंद कर चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा.



## समाज के वरिष्ठजन हुए टेपाश्री उपाधि से अलंकृत

अग्रपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ का मिलन समारोह  
भजन गायकों की प्रस्तुतियों के बीच जमकर थिरके समाज बंधु

इंदौर. अग्रपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ का होली मिलन समारोह एवं फाग महोत्सव विज्ञान नगर स्थित नवनीत गार्डन पर धूमधाम से मनाया गया, जिसमें समाज के 3 वरिष्ठजनों, ओमप्रकाश रेतवाले, महेश गोयल एवं शिव गर्ग को टेपाश्री की उपाधि से अलंकृत किया गया. फूलों और रंग गुलाल की वर्षा के बीच समाज बंधुओं ने जमकर एक दूसरे को रंग लगाकर शुकामानाएँ सौंपी. देर रात तक

भजनों पर थिरकने का दौर भी चलता रहा.

समाजसेवी राजेंद्र गर्ग समर्पण के अतिथि में दीप प्रज्वलन एवं चित्र पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. महासंघ के संरक्षक किशोर गोयल, अध्यक्ष संजय गोयनका, मंत्री विष्णु गोयल एवं संयोजक पिंकेश मोदी ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित समाज बंधुओं ने अनेक रंगारंग स्पंशों में शामिल होकर एक दूसरे को रंगों के त्योहार की बधाइयों व्यक्त की. अतिथियों का स्वागत प्रतीक गोयल, आशु अग्रवाल, रमेश चन्द्र अग्रवाल, धर्मनंद गर्ग, गुंजन गुप्ता, अभिषेक सोनथलिया, अरविश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, दिनेश गर्ग, प्रहलाद गर्ग आदि ने

किया. मनोज टायर वाले, चेतन अग्रवाल, चंद्रप्रकाश मिश्र, अजय अग्रवाल, नितिन अग्रवाल एयरपोर्ट, रितेश गुप्ता, गोपाल बंसल आदि ने भजन गायक जितेन्द्र ठाकुर, अमृता तिवारी एवं स्टार फैनस क्लब के हेमंत अग्रवाल तथा उनके साथियों का स्वागत किया. मातृशक्ति की ओर से रेखा अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, शालिनी मोदी, सोनिया गर्ग, दीपिका पोद्दार, तुषि गोयल ने भी विभिन्न व्यवस्थाएं संभाली. अजय अग्रवाल एवं टीम विजय नगर तथा नितिन अग्रवाल एयरपोर्ट एवं उनकी टीम ने भी उत्सव को अनेक नए रंग प्रदान किए. इस दौरान समाज बंधुओं का उत्साह और जोश पूरे समय बना रहा.

एक नजर में मध्य प्रदेश टैक्स कंसल्टेंट्स एसोसिएशन इंदौर जोन का सेमिनार संपन्न

## करदाताओं को लेखा-पुस्तक और अन्य दस्तावेजों को व्यवस्थित संधारित करना चाहिए

इंदौर. मध्य प्रदेश टैक्स कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (एमपीटीसीए) द्वारा शुक्रवार को आयकर भवन स्थित मल्टीपर्सन हॉल में नए आयकर अधिनियम 2025 के महत्वपूर्ण प्रावधानों तथा रियल स्टेट टैक्सेशन पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया जिसे अमृतसर से आए प्रसिद्ध वक्ता एडवोकेट सीए रोहित कपूर ने सम्बोधित किया. सेमिनार के मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी एवं सेशन चैयरमैन वरिष्ठ सीए अनिल गर्ग ने भी अपना विषय रखा.

मुख्य वक्ता एडवोकेट सीए रोहित कपूर ने कहा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115बीबीई का उद्देश्य अधोषिक्त आय पर कटौत कर लगाकर तथा काले धन पर नियंत्रण करना है. आयकर विभाग द्वारा इस धारा के



प्रयोग के दौरान कई व्यावहारिक कठिनाइयाँ सामने आती हैं. कई बार व्यापार से संबंधित नकद बिक्री, स्टॉक अंतर अथवा बैंक में नकद जमा को भी अधोषिक्त आय मानकर इस धारा के अंतर्गत करारोपण कर दिया जाता है, जिससे करदाताओं को अनावश्यक विवादों का सामना करना पड़ता है. ऐसी परिस्थितियों में करदाताओं को अपने लेखा-



पुस्तक, स्टॉक रजिस्टर, नकद पुस्तिका तथा अन्य दस्तावेजों को व्यवस्थित रूप से संधारित करना चाहिए, ताकि आय के वास्तविक स्रोत को स्पष्ट रूप से स्थापित किया जा सके. साथ ही यह भी आवश्यक है कि आयकर अधिकारी द्वारा इस धारा का प्रयोग केवल उन्हीं मामलों में किया जाए जहाँ आय वास्तव में

अधोषिक्त स्रोत से प्राप्त होना सिद्ध हो. कपूर ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र में कार्यरत बिल्डर्स एवं डेवलपर्स के लिए आयकर संबंधी प्रावधानों का सही पालन अत्यंत महत्वपूर्ण है. सेमिनार का संचालन एमपीटीसीए के सचिव सीए शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने किया. स्वागत भाषण प्रेसिडेंट सोनियर एडवोकेट सीए सुमित नेमा

ने दिया. धन्यवाद अभिभाषण एमपीटीसीए सीए राजेश मेहता ने दिया. इस अवसर पर एमपीटीसीए इंदौर जोन के अध्यक्ष एसएन गोयल, डॉ अश्वय शर्मा, प्रमोद तापडिया, आयुष गर्ग, सीए प्रणय अग्रवाल, आर.एस. गोयल, गोविन्द अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे.

कठिनाइयों से निजात मिलेगी

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि भारत तेजी से विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है. भारत सरकार ने नए आयकर अधिनियम 2025 तथा बजट 2026 के माध्यम से कर प्रशासन में लचीलापन तथा सरलता लाने के प्रयास किये हैं जिससे करदाताओं तथा आयकर विभाग को कर प्रशासन आ रही कठिनाइयों से निजात मिलेगी. सेशन चैयरमैन सीए अनिल गर्ग ने बिल्डर्स एवं डेवलपर्स को सरलता दी है कि वे अपने रियल एस्टेट लेन-देन में उचित दस्तावेजीकरण, पारदर्शी लेखांकन तथा आयकर प्रावधानों का समय पर अनुपालन सुनिश्चित करें, इससे न केवल कर विवादों से बचा जा सकता है बल्कि रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और विश्वास भी बढ़ेगा.

आरआरकेट इंदौर में हो रही शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई. उन्होंने लेजर और निम्न ताप के दैनिक जीवन में उपयोग के बारे में बताया. उन्होंने भाषा परमाणु अनुसंधान केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय मुंबई द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में करियर अवसरों एवं अग्रणी अनुसंधान

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर डॉक्टर सीवी रमन को पुष्पांजलि अर्पित

इंदौर. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ, भौतिकी विभाग और विज्ञान भारत में मालवा प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में डॉक्टर सीवी रमन के द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में की गई महत्वपूर्ण खोज से विद्यार्थियों को डॉ प्रदीप शर्मा द्वारा अवगत कराया गया.

विज्ञान के क्षेत्र में कैरियर विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिक केंद्र के वैज्ञानिक पीयूष सक्सेना द्वारा विद्यार्थियों को

कैरियर चुनाव के लिए प्रोत्साहित किया

साथ ही इस क्षेत्र में कैरियर हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित भी किया. कार्यक्रम का संचालन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ निधि परमार द्वारा और अतिथि परिचय डॉ शुभांगी सोनी द्वारा किया गया. इस अवसर पर डॉ नागेश दर्गावकर विभागाध्यक्ष भौतिकी, डॉ प्रदीप शर्मा विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर विभाग, डॉ नमिता सिंसोदिया और भौतिकी विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे. आभार डॉ विशाल टंडन ने माना.

आरआरकेट इंदौर में हो रही शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई. उन्होंने लेजर और निम्न ताप के दैनिक जीवन में उपयोग के बारे में बताया. उन्होंने भाषा परमाणु अनुसंधान केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय मुंबई द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में करियर अवसरों एवं अग्रणी अनुसंधान



कार्यों और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.

कार्यो और ओसीईएस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराया. ओसीईएस कार्यक्रम एक वर्षीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम विज्ञान स्नातकोत्तरों (भौतिकी, रसायन, जैविक विज्ञान, भूभौतिकी आदि) के लिए है, इसमें चयन ऑनलाइन परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा होता है.